साप्ताहिक निष्पक्ष...निर्भीक...निरंतर...
विश्वास का तीर
सपांदक- आयुष राजपूत
RNI.NO- MPHIN/2022/83636
वर्ष-03 अंक-45 भोपाल, प्रति शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024 मूल्य-10 रूपयें पृष्ठ-08

सिंहस्थ के वैश्विक आयोजन के लिये अभी से करें तैयारियाँ : मुख्यमंत्री

सिंहस्थ-2028 के 19 कार्यों के लिये 5 हजार 882 करोड़ रूपये की मंजूरी

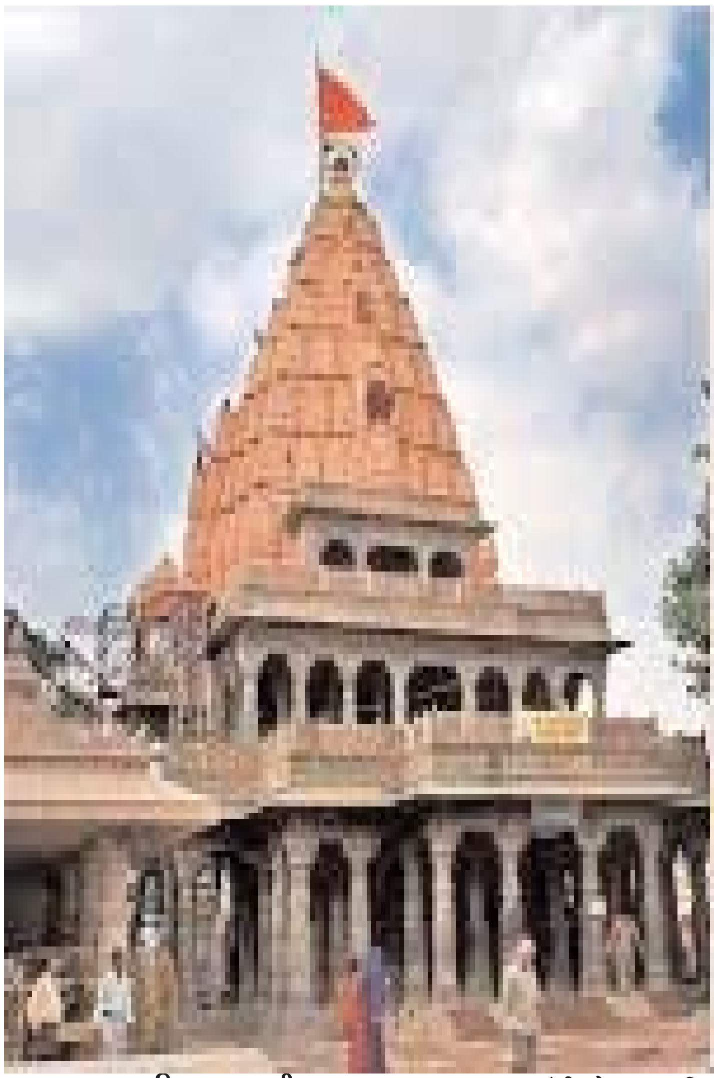

विश्वास का तीर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सनातन धर्म की सभी सन्यासी परम्पराओं के सभी वैष्णव और शैव संत 12 साल में सिंहस्थ में आते हैं और भविष्य में सनातन धर्म की दिशा, आचरण, स्वरूप तय करते है। मानवता की स्थापना के लिये सर्वोच्च सिंहस्थ मेला-2028 में पुनः होने वाला है। सिंहस्थ की तैयारियाँ अभी से प्रारंभ की जा चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैश्विक आयोजन सिंहस्थ के माध्यम से भारत दुनिया का नेतृत्व करेगा। इसकी समुचित तैयारियां की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक महाकाल ज्योतिर्लिंग उज्जैन के महाकाल लोक और दूसरे ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर में बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। मध्यप्रदेश की पहचान धार्मिक नगरी उज्जयिनी में हर 12 वर्ष में होने वाले सिंहस्थ के रूप में होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दृष्टि से सिंहस्थ प्रदेश के साथ ही राष्ट्र के लिये एक महत्वपूर्ण आयोजन है। पूरे विश्व में इसकी गूंज होती है। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अधिक से अधिक सुविधाएँ देने के लिए नये निर्माण कार्य भी कराये जा रहे हैं। साथ ही वर्तमान सुविधाओं का उन्नयन भी किया जा रहा है। सिंहस्थ की सफलता के लिये अभी से तैयारियाँ शुरू करनी होगी। इन सभी कार्यों को शासकीय विभागों और अन्य उपक्रमों तालमेल के साथ पूर्ण करने के लिये जुटना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसी योजना तैयार की जाये कि क्षिप्रा नदी हर हाल में पूरी तरह से प्रदूषण मुक्त हो और क्षिप्रा नदी में निरंतर शुद्ध जल का अविरल प्रवाह हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-महाकुंभ में दुनिया भर से करीब 15 करोड़ लोगों के शामिल होने की संभावना है। इस वजह से उज्जैन में ट्रैफिक व्यवस्था बनाये रखना बड़ी चुनौतीपूर्ण होगा।

सिंहस्थ-2028 के 19 कार्यों के लिये 5 हजार 882 करोड़ रूपये की मंजूरी दी गई है। यह मंजूरी मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्री-मंडलीय की पहली बैठक में दी गई। बैठक में जल संसाधन, नगरीय प्रशासन एवं विकास, ऊर्जा, लोक निर्माण, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के कार्यों को मंजूरी दी गई है।

मंत्री-मंडलीय समिति ने जिन कार्यों को स्वीकृति दी है, उनमें 778 करोड़ 91 लाख रूपये के 29.21 किलोमीटर घाट निर्माण, 1024 करोड़ 95 लाख रूपये का 30.15 किलोमीटर कान्ह नदी का डायवर्सन, 614 करोड़ 53 लाख रूपये के सिंहस्थ के लिये क्षिप्रा नदी में जल निरंतर प्रवाह योजना (सिलारखेड़ी-सेवरखेड़ी बांध) का निर्माण, 74 करोड़ 67 लाख रूपये के क्षिप्रा नदी पर प्रस्तावित 14 बैराजों का निर्माण, 43 करोड़ 51 लाख रूपये के कान्ह नदी पर प्रस्तावित 11 बैराजों का निर्माण, 198 करोड़ रूपये से उज्जैन शहर की सीवरेज परियोजना, 250 करोड़ रूपये से अति. उच्च दाब से संबंधित कार्य के नवीन ईएचवी उपकेन्द्र का निर्माण, 16 करोड़ 80 लाख रूपये से अति. उच्चदाब केन्द्र क्षमतावृद्धि का निर्माण, 29 करोड़ 83 लाख रूपये का नवीन 33/11 के.व्ही. का निर्माण, 4 करोड़ 50 लाख रूपये से 33 के.व्ही. लाईन एवं इन्टर कनेक्शन एवं नवीन उपकेन्द्र से संबंधित कार्य (10 किलोमीटर), 18 करोड़ 36 लाख रूपये से के.व्ही. लाईन एवं इन्टर कनेक्शन एवं नवीन उपकेन्द्र से संबंधित (80 किलोमीटर) का निर्माण और 10 करोड़ 8 लाख रूपये का भूमिगत केबल कार्य (ओंकारेश्वर बजट) का निर्माण शामिल है।

इसी तरह 18 करोड़ रूपये का शंकराचार्य चौराहा से दत्त अखाड़ा, भूखीमाता, उजड़खेड़ा हनुमान से उज्जैन बड़नगर मार्ग का निर्माण, 18 करोड़ रूपये का खाक-चौक, वीर सावरकर चौराहा, गढ़कालिका, भर्तहरीगुफा से रंजीत हनुमान तक मार्ग एवं क्षिप्रा नदी पर पुल का निर्माण, 40 करोड़ रूपये से सिद्धवरकूट से कैलाश खोह तक सस्पेंशन ब्रिज पहुँच मार्ग प्रोटेक्शन कार्य सहित (ओंकारेश्वर में कावेरी नदी पर पैदल पुल सहित ओंकारेश्वर घाट से सिद्धवरकूट तक पहुँच मार्ग का निर्माण), 1692 करोड़ रूपये से इंदौर उज्जैन विद्यमान 4 लेन मार्ग का 6 लेन मय पेव्हड शोल्डर मे हाईब्रिड एन्यूटी मॉडल अंतर्गत उन्नयन एवं निर्माण, 950 करोड़ रूपये से इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड 4 लेन परियोजना का हाइब्रिड एन्युटी मॉडल पर निर्माण कार्य, 75 करोड़ रूपये से महाकाल लोक कॉरीडोर में स्थित फाइबर की प्रतिमाओं के स्थान पर पाषाण प्रतिमाओं का निर्माण, स्थापना एवं आवश्यक विकास कार्य और कुम्भ संग्रहालय, काल गणना शोध केन्द्र उज्जैन का अनुरक्षण एवं विकास कार्य शामिल है।

सिंहस्थ के लिये 568 कार्यों के प्रस्ताव प्राप्त

अपर मुख्य सचिव नगरीय प्रशासन एवं आवास श्री नीरज मंडलोई ने बताया कि अभी तक सिंहस्थ-2028 के लिये 18 विभागों के 568 कार्यों के प्रस्ताव प्राप्त हुए है, जिनकी अनुमानित लागत 15 हजार 567 करोड़ रूपये है। इन कार्यों में विभागीय, सिंहस्थ मद और बीओटी आदि के कार्य शामिल है। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन ने जानकारी दी कि इंदौर में लव-कुश चौराहे से उज्जैन तक नवीन मेट्रो लाईन बिछाये जाने का सर्वेक्षण कार्य दिल्ली रेल मेट्रो कार्पोरेशन को सौंपा गया है।

राजेश गुप्ता राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के नए अध्यक्ष

टीना यादव महासचिव, किरण गुप्ता को बनाया वरिष्ठ उपाध्यक्ष

विश्वास का तीर

मध्य प्रदेश राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के नए अध्यक्ष अपर कलेक्टर स्तर के अधिकारी राजेश गुप्ता होंगे। गुप्ता सीएम सचिवालय, भोपाल समेत कई जिलों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं, और वर्तमान में अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान में संचालक के पद पर कार्यरत हैं। राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के अधिकारियों ने आम सहमति से राजेश गुप्ता का निर्विरोध निर्वाचन किया है। राज्य प्रशासनिक सेवा संघ की नई कार्यकारिणी का गठन करीब 10 साल बाद किया है। इस कार्यकारिणी में नए अध्यक्ष के निर्वाचन के साथ संघ के नए पदाधिकारियों को लेकर भी सर्वसम्मति से फैसला किया है। वहीं, भोपाल नगर निगम में अपर आयुक्त टीना यादव को संघ का महासचिव और किरण गुप्ता को वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया। जबकि आकाश श्रीवास्तव और मनोज प्रजापति को संघ का उपाध्यक्ष बनाया है। मुख्य संरक्षक के रूप में देवी सरन और संरक्षक के रूप में कविंद्र कियावत और जीपी माली का नाम तय किया गया है।

कार्यकारिणी सदस्यों के नाम

कार्यकारिणी सदस्यों में पुष्पा पुसाम, गोपाल वर्मा, शिवलाल शाक्य, रविशंकर राय, मकसूद अहमद, विष्णु यादव, राहुल गुप्ता, संघमित्रा बौद्ध, श्रेयस गोखले, पल्लवी वैद्य, अनुराग निगवाल, प्रकाश जैन, मनोज श्रीवास्तव, नीता कोरी, गुलाब सिंह शामिल हैं।

ऐसा है राजेश गुप्ता का करियर

राजेश गुप्ता मूलतः शहडोल जिले के रहने वाले हैं। वे उन्होंने बतौर नायब तहसीलदार 14 फरवरी 1995 को शासकीय सेवा जॉइन की। बाद में वे तहसीलदार बने और फिर प्रमोशन से 29 अक्टूबर 2014 को डिप्टी कलेक्टर बने। गुप्ता 30 दिसंबर 2019 को संयुक्त कलेक्टर और फिर 8 मार्च 2024 को अपर कलेक्टर के पद पर पदोन्नत हुए हैं। गुप्ता सीएम सचिवालय में पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के ओएसडी के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं।

अब तक जीपी माली रहे हैं संघ के अध्यक्ष

राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के अध्यक्ष पद पर जीपी माली पिछले 10 साल से थे। वे 3 साल पहले अपर कलेक्टर पद से रिटायर हो चुके हैं। लेकिन, इसके बाद भी संघ नया अध्यक्ष नहीं चुन सका था और यह प्रक्रिया लंबे समय से पेंडिंग थी। अब नई कार्यकारिणी का गठन हुआ है। संघ की ओर से जारी सूचना में कहा है कि संघ के मुख्यालय आकांक्षा भवन में 17 अक्टूबर को संघ का वार्षिक अधिवेशन हो रहा है। इसमें ही नई कार्यकारिणी को मंजूरी दी जा रही है।

दो महासचिव बदल चुके थे

राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के पिछले निर्वाचन में दीपक सक्सेना को संघ का महासचिव और जीपी माली को अध्यक्ष निर्वाचित किया था। इसके बाद सक्सेना ने पद छोड़ दिया तो मल्लिका निगम नागर को संघ का महासचिव बनाया गया लेकिन माली को अध्यक्ष पद पर बनाए रखा। मल्लिका भी आईएएस पद पर प्रमोट हो गईं तो किरण गुप्ता को संघ का महासचिव मनोनीत किया गया। तब से गुप्ता संघ के महासचिव की जिम्मेदारी निभा रही हैं। संघ की वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल खत्म होने के बाद भी कोरोना के चलते चुनाव टाले गए थे जो अब तक लगातार टलते जा रहे थे और पूर्व अध्यक्ष जीपी माली मनोनीत अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे थे। गौरतलब है कि पिछले माह ही कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (राजस्व अधिकारी) संघ के चुनाव हुए थे जो तहसीलदार और नायब तहसीलदारों का संगठन है।

इंदौर में भूतिया पार्टी में दो बीजेपी नेता शामिल हुए

विश्वास का तीर

इंदौर की किंग एडवर्ड मेडिकल स्कूल बिल्डिंग में हुई हैलोवीन पार्टी में बीजेपी नेता अक्षय कांति बम और स्वप्निल कोठारी भी शामिल हुए थे। अक्षय ने कहा, मैं ग्रुप का मेंबर हूं। इन्विटेशन पर बिना गेटअप गया था। स्वप्निल भाई भी साथ थे। पहली बार इस तरह की थीम रखी गई। बाद में पार्टी से चला गया था। हैलोवीन पार्टी जैन सोशल ग्रुप एलिगेंट ने की थी। इस तरह की भूतिया पार्टी का विरोध जैन समाज के अंदर ही हो रहा है। समाज के सोशल मीडिया ग्रुप्स पर मैसेज वायरल हो रहे हैं। सुझाव दिए जा रहे हैं कि %जैन सोशल ग्रुप एलिगेंट के आगे से जैन शब्द हटा दिया जाए, ताकि समाज की बदनामी न हो। पार्टी का वीडियो भी सामने आया है। इसे जैन सोशल ग्रुप एलिगेंट के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ही अपलोड किया गया था। प्रमाण सागर महाराज बोले- पैशाचिक कृत्य, जैन सेशल ग्रुप प्रायश्चित करे गुरुवार दोपहर डॉ. विनीता कोठारी, डॉ. सुमित शुक्ला, डॉ. विशाल कीर्ति जैन ने प्रमाण सागर महाराज से मुलाकात की और इस पार्टी के बारे में बताया। इस पर महाराज ने कहा, %दुर्भाग्य है कि लोग जिस तरह से संगठनों का विस्तार कर रहे हैं, उसी तरह संस्कृति को लेकर भी उन्मुख होते जा रहे हैं। इसके दूरगामी परिणाम बहुत भयावह है। भूतहा पार्टी घोर निंदनीय है। यह हमारी संस्कृति के अनुकूल बिल्कुल नहीं है। यह धर्म विरुद्ध, संस्कृति विरुद्ध और परंपरा विरुद्ध है। यह पैशाचिक कृत्य है। भूतों जैसा कृत्य करोगे तो मरकर भी भूत बनोगे। ऐसा जैन सोशल ग्रुप जैसी संस्था के बैनर तले होना और भी निंदनीय है। जो लोग इसमें शामिल हुए, उन्हें प्रायश्चित्त करना चाहिए। लोकसभा चुनाव में अक्षय बम कांग्रेस के उम्मीदवार थे, लेकिन उन्होंने चुनाव से पहले ही बीजेपी जॉइन कर ली। तब से वे बीजेपी में हैं। स्वप्निल कोठारी भी पहले कांग्रेसी थे, बाद में वे बीजेपी में आ गए। इंस्टाग्राम पर जैन सोशल ग्रुप एलिगेंट के नाम से एक पेज है। इसके 456 फॉलोअर्स हैं। हैलोवीन पार्टी के बाद इस पेज को प्राइवेट कर दिया गया है, जबकि एक दिन पहले तक ये पब्लिक था। मामले में ग्रुप से कनेक्टेड और आयोजक के तौर पर अभिषेक का नाम सामने आया। उनसे संपर्क नहीं हो सका है। सूत्रों के मुताबिक इस ग्रुप में समाज के संभ्रांत लोग जुड़े हैं।

कंकाल, कब्रों और लाल फव्वारों से सजाया था

जैन सोशल ग्रुप ने हैलोवीन पार्टी के लिए इस ऐतिहासिक इमारत को हॉरर थीम पार्क में बदल दिया था। कंकाल, कब्रों और खून जैसे दिखने वाले लाल रंग के केमिकल से भरे फव्वारे से सजावट की गई।

भोपाल, प्रति शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024

डांस करते-करते गिरा 5वीं का छात्र, मौत

विश्वास का तीर

भोपाल में डीजे की तेज आवाज से एक 13 साल के बच्चे की मौत का मामला सामने आया है। घटना 14 अक्टूबर की शाम की बताई जा रही है। समर बिल्लौरे (13) मां दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए जा रहे चल समारोह में डीजे पर डांस कर रहा था। परिवार का आरोप है कि जैसे ही डीजे का साउंड तेज हुआ समर बेहोश हो गया। मां मदद के लिए चिल्लाती रहीं, लेकिन डीजे वाले ने साउंड कम नहीं किया। बच्चे को नजदीकी अस्पताल लेकर गए। जहां उसकी मौत हो गई। समर सेंट जोसफ स्कूल में पांचवीं का छात्र था।

घटना के बाद भी डीजे बजना बंद नहीं हुआ

परिवार के लोगों ने बताया कि चल समारोह में तेज आवाज में डीजे बज रहा था। लोग घर के बाहर नाच रहे थे। समर भी तेज साउंड सुनकर भीड़ में शामिल हो गया और नाचने लगा। तभी अचानक गिर गया। जबकि बाकी लोग नाचते रहे। बेटे को ऐसी हालत में देखकर मां जमुना देवी मदद के लिए चिल्लाती रहीं। लोगों ने आरोप लगाया कि घटना के बाद भी डीजे वाले ने डीजे बंद नहीं किया।

भाई बोला, तेज साउंड करने के बाद हुआ बेहोश

समर के बड़े भाई अमन बिल्लौरे ने बताया कि घटना सोमवार रात करीब 8 बजे की है। चल समारोह जब दूर था तो डीजे का साउंड कम था। हमारे इलाके में आकर डीजे वाले ने साउंड बढ़ा दिया। जिसके बाद समर बेहोश हो गया। हम उसे पहले अक्षय अस्पताल और बाद में नर्मदा अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हालांकि परिवार के लोगों ने इस मामले में पुलिस से कोई शिकायत नहीं की है। डॉक्टर का कहना है कि बच्चे को जब अस्पताल लाया गया तो उसकी मौत हो चुकी थी। परिवार वालों ने पोस्टमार्टम नहीं कराया है। इसलिए इस मामले में कुछ कहा नहीं जा सकता।

मां ने कहा-समर को पहले से थी हार्ट की समस्या

समर की मां क्षमा बिल्लौरे ने बताया कि उसे हार्ट में पहले से दिक्कत थी, उसके हार्ट में छेद था, मगर इन दिनों वह पूरी तरह से फिट था।

कॉर्डियोलॉजिस्ट ने कहा-अनियमित धड़कन के चलते ऐसा संभव

भोपाल में सेज अपोलो अस्पताल में कॉर्डियोलॉजिस्ट डॉ. किस्ले श्रीवास्तव ने बताया कि धड़कनों की अनियमितता के चलते ऐसा होना संभव है। अगर बच्चे को हार्ट में पहले से परेशानी थी तो इसकी संभावना और बढ़ जाती है। हार्ट में परेशानी से दिल की नसों पर प्रभाव पड़ता है। ऐसे में अचानक एक्टिविटी करने से और जोश में आकर तेज शोर के बीच डांस करने से दिल की धड़कन रुक सकती है। इसके खिलाफ पीड़ित व्यक्ति को ये अधिकार रात में लाउड स्पीकर और डीजे बजाने पर रोक लगाने की मांग भी कर सकता है। 268 IPC के तहत मुकदमा दर्ज करवाया जा सकता है, इसमें 200 रुपया जुर्माना लगाया जा सकता है।

हत्यारे बोले- सोचा था लूटकर आराम से दिवाली मनाएंगे

40 किमी दूर से आकर रेकी; बुजुर्ग ने पहचाना तो मार डाला, फिर बेटी की हत्या

विश्वास का तीर

ग्वालियर में ग्रोसरी शॉप ओनर और उनकी बुजुर्ग मां की हत्या का मास्टरमाइंड पुलिस को अब पूरी कहानी सुना रहा है। इरफान खान ने पुलिस ऑफिसर्स को बताया कि रीना भल्ला (57) ने उसे नौकरी से नहीं निकाला था, बल्कि उसने खुद नौकरी छोड़ दी थी। उसे पता था कि घर में बहुत माल रहता है। डेढ़ महीने पहले उसने इस घर में वारदात की साजिश रची, लेकिन किसी की भी हत्या करने का कोई इरादा नहीं था। पूरा प्लान इरफान ने बनाया था। सोचा था कि कैश और ज्वेलरी समेटकर निकल जाएंगे और आराम से दीपावली मनाएंगे। चेहरे पर रुमाल बांधकर वह रीना के फ्लैट में एंटर हुआ। पीछे-पीछे उसके तीन दोस्त पहुंचे। उसे पता था कि 78 साल की इंदु पुरी ठीक से सुन और देख नहीं पातीं, लेकिन जब चारों रूम में पहुंचे तो इरफान को बुजुर्ग ने पहचान लिया। इसके बाद आरोपियों ने उनकी हत्या की। हत्या के बाद सभी घबराकर निकल रहे थे, इतने में रीना अंदर आ गई। उन्हें देख सभी बेडरूम में छिप गए। रीना के बेडरूम में पहुंचते ही पहचाने जाने के डर से हमला कर उनकी भी हत्या कर दी। मां - बेटी शहर के सिटी सेंटर अल्कापुरी में होम्स सिटी अपार्टमेंट में रहती थीं।

रीना भल्ला

भिंड के गोहद से आकर करते थे रेकी

इरफान को पूरी जानकारी थी कि घर में कितने लोग हैं और दुकान पर कितने लड़के काम करते हैं। अब योजना को अंजाम देने के लिए वह हर हफ्ते गोहद से ग्वालियर आकर रेकी करके जाता था। यह पता लगाने के लिए कि कहीं दोनों महिलाओं का रुटीन तो नहीं बदल गया है। जब पुख्ता हो गया, तो वारदात को अंजाम दिया गया। गोहद से ग्वालियर की दूरी करीब 40 किलोमीटर है।

आरोपियों को आज कोर्ट में किया जाएगा पेश

पुलिस गुरुवार को पूछताछ के बाद चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश करेगी और रिमांड मांगेगी। कुछ एटीएम कार्ड, मोबाइल बरामद हो गए हैं, लेकिन आरोपियों ने गोल्ड फौरन किसी को बेच दिया। यह अभी पुलिस को नहीं मिला है। इस संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। इसके अलावा पुलिस पूरी घटना के संबंध में ज्यादा से ज्यादा सबूत जुटाना चाहती है, जिससे आरोपियों को इस अपराध की कड़ी से कड़ी सजा दिला सके। चारों आरोपियों ने डेढ़ महीने पहले ही पूरी प्लानिंग कर ली थी। लगातार रेकी भी कर रहे थे। लोगों को चाहिए कि वे अपने घर और प्रतिष्ठान पर काम करने वालों का वेरिफिकेशन जरूर कराएं।

आलेख

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सौ वर्षीय यात्रा पर एक नजर

2025 की विजयादशमी पर संघ सौवें वर्ष में पहुंच रहा है। ऐसे में इस यात्रा के कुछ पड़ावों पर नजर डालना उचित होगा। डा. हेडगेवार ने संगठन को देश की राष्ट्रीय आवश्यकता कहा था। उन्होंने कोलकाता में क्रांतिकारियों और नागपुर में कांग्रेस के साथ काम कियाय पर संघ स्थापना के बाद पूरी शक्ति यहीं लगा दी। इसलिए पहले 50 साल संघ ने केवल संगठन किया। यद्यपि अन्य बहुत कुछ भी शीर्ष नेतृत्व के मन में था। दत्तोपंत ठेंगड़ी इसे प्रोग्रेसिव अनफोल्डमेंट कहते थे। इसके बल पर ही संघ ने हर संकट को झेला। इस पहले दौर में स्वयंसेवकों ने कई संस्थाएं बनायीं। इनमें राष्ट्र सेविका समिति (1936), अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (1949), वनवासी कल्याण आश्रम (1952), भारतीय मजदूर संघ (1955), विश्व हिन्दू परिषद (1964), भारतीय जनसंघ/भारतीय जनता पार्टी (1951), सरस्वती शिशु मंदिर/विद्या भारती (1952) आदि प्रमुख हैं। यद्यपि इनके संविधान, कोष, पदाधिकारी, कार्यक्रम आदि अलग हैंय पर प्रेरणा संघ की ही है। संघ पर प्रतिबंध: संघ पर 1932 और 1940 में शासन ने आंशिक प्रतिबंध लगायेय पर वे ज्यादा नहीं चले। 1948 में गांधी जी की हत्या के बाद फिर प्रतिबंध लगा। तब शासन, प्रशासन और जनता संघ के विरोध में थी। प्रचार माध्यम सरकार के पास थे। संघ के पास अपनी बात कहने का कोई साधन नहीं था। फिर भी संघ ने सत्याग्रह से सरकार को झुका दिया। पर फिर शाखा के साथ ही समविचारी संगठनों का विस्तार और प्रभाव बढ़ने लगा। इसीलिए जब 1975 में इंदिरा गांधी ने संघ पर प्रतिबंध लगाया, तो जनता संघ के साथ रही। संघ ने फिर सत्याग्रह किया। जनता डर से चुप थी, पर चुनाव में उसका आक्रोश फूट पड़ा और इंदिरा गांधी हार गयी। यह संगठन के बल पर ही हुआ। समाज में बढ़ती स्वीकार्यता का लाभ उठाकर संघ ने संगठन को फैलाया तथा स्वयंसेवकों ने अनेक नयी संस्थाएं बनायीं। 1992 में बाबरी विध्वंस के बाद सरकार ने फिर प्रतिबंध लगाया, जिसे न्यायालय ने ही खारिज कर दिया। 1975 और 1992 के प्रतिबंध से संघ के संगठन और प्रभाव में वृद्धि हुई। उसका नाम दुनिया भर में फैल गया। 1977 के बाद: इसे हम दूसरा 50 वर्षीय कालखंड कह सकते हैं। संघ ने अनुभव किया कि हमारा काम समाज के निर्धन वर्ग में नहीं है। इनकी पहली जरूरत रोटी, कपड़ा और मकान है। इस कारण लोग धर्मांतरण भी कर लेते हैं। मीनाक्षीपुरम् कांड इसका उदाहरण था। अत: सेवा के क्षेत्र में प्रवेश किया गया। 1989 में डा. हेडगेवार की जन्मशती पर %सेवा निधि% एकत्र कर हजारों पूर्णकालिक कार्यकर्ता बनाये गये। निर्धन बस्तियों को %सेवा बस्ती% कहकर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के हजारों छोटे प्रकल्प शुरू किये। अब इनकी संख्या डेढ़ लाख से भी अधिक है। अब सैकड़ों बड़े प्रकल्प भी हैं, पर मुख्य ध्यान छोटी इकाइयों पर ही है। केवल संघ ही नहीं, तो सभी समविचारी संस्थाएं सेवा कार्य कर रही हैं। यहां से पुरुष और महिला कार्यकर्ता भी आगे आ रहे हैं। कुछ चुनौतियां: 1947 में देश विभाजन एक बड़ी चुनौती थी। इस दौरान पंजाब और सिंध में संघ ने सीमित शक्ति के बावजूद लाखों हिन्दुओं की रक्षा की, महिलाओं की लाज बचाई और उनका पुनर्स्थापन किया। बंगाल में शक्ति कम होने से यह प्रभावी ढंग से नहीं हो सका। 1950 में प्रतिबंध हटने पर कुछ लोगों का विचार था कि निर्दोष होते हुए भी संसद या किसी विधानसभा में कोई हमारे पक्ष में नहीं बोला। अत: हमें शाखा छोड़कर केवल राजनीति करनी चाहिएय पर सरसंघचालक श्री गुरुजी नहीं माने। उन्होंने कहा कि राजनीति जरूरी होते हुए भी सब कुछ नहीं है। इससे कई बड़े लोग नाराज हो गये। यद्यपि संघ ने फिर राजनीति में भी कई लोगों को भेजा, पार्टी भी बनायी, पर राजनेताओं और दलों का जो हाल है, उससे श्री गुरुजी की बात प्रमाणित हो रही है। संगठन होने के कारण संघ तथा संघ प्रेरित संस्थाएं लगातार नयी टीम बनाकर पुरानों के संरक्षण में उन्हें पदस्थापित

करते रहते हैं, पर 1968 में भारतीय जनसंघ को एक झटका लगा। दीनदयाल जी का निधन हो चुका था। जनसंघ वाले अटल बिहारी वाजपेयी को आगे लाना चाहते थे। इससे रुष्ट होकर बलराज मधोक ने पार्टी छोड़ दी, पर जल्दी ही वे समझ गये कि कुछ लोग कुछ समय के लिए कोई संस्था तो चला सकते हैं, पर संगठन नहीं। अत: वे शांत होकर फिर संघ के कार्यक्रमों में आने लगे। यद्यपि उनके अलगाव से श्री गुरुजी सहित सब स्वयंसेवकों को दुख हुआ, पर संघ में व्यक्ति नहीं, संगठन महत्वपूर्ण है। ऐसी ही एक चुनौती 2018 में विश्व हिन्दू परिषद में आयी। एक प्रभावी नेता ने अपनी नयी संस्था बना ली। यहां भी टकराव व्यक्ति और संगठन में ही था। आशा है वे भी शीघ्र ही मुख्य धारा में लौट आएंगे। अब आगे की ओर: कभी संगठन के लिए संगठन% की बात कही जाती थी, पर 50 साल संगठन और 50 साल विस्तार के बाद अब संघ समाज परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है। जहां संघ का काम पुराना है, वहां परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और स्थानीय वस्तुओं का प्रयोग, सामाजिक समरसता, एक मंदिर, एक शमशान, एक जलस्रोत, नागरिक कानूनों के पालन आदि का आग्रह किया जा रहा है। संघ के प्रयास से इस दिशा में भी नि:संदेह सुधार होगा। समाज में हजारों संस्थाएं और लोग अच्छे काम कर रहे हैं। संघ उन्हें भी साथ लेकर सम्मान और श्रेय देता है। संस्थागत अभिनिवेश से मुक्ति संघ की एक बड़ी विशेषता है। यद्यपि जब से भाजपा की सरकारें केन्द्र और राज्यों में बन रही हैं, तब से संघ में बहुत भीड़ भी आने लगी है। नये लोगों का आना सुखद है, पर जो स्वार्थवश आ रहे हैं, उनसे सावधान रहना होगा।

संपादकीय

उत्तर प्रदेश के उप-चुनाव में भी भाजपा हिंदुत्व एवं राष्ट्रवाद के सहारे

इंडिया गठबंधन ने लोकसभा चुनाव में भले ही संविधान,आरक्षण और जातीय समीकरण साध कर बीजेपी की हिन्दुत्व की राह में रोड़े बिछा दिये थे, लेकिन कहते हैं कि काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती है और हाल ही में सम्पन्न हरियाणा और जम्मू कश्मीर के विधान सभा चुनाव में बीजेपी के हिन्दुत्व ने एक बार फिर हुंकार भरी और कांग्रेस के हरियाणा में सरकार बनाने के सपने चूर-चूर हो गये। इसी से उत्साहित बीजेपी अब यूपी के उप चुनाव में भी हिन्दुत्व की पिच पर बैटिंग करने का मन बना चुकी है। जातीय समीकरण को साधने के लिए भाजपा फिर हिंदुत्व के एजेंडे का इस्तेमाल करेगी। कहा जा रहा है कि हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव का फायदा भाजपा यूपी के उपचुनाव में भी उठाना चाहती है। पार्टी का भी मानना है कि हिंदुत्व के फार्मूले से जातीय समीकरण साधने में उसे मदद मिलेगी। भाजपा का केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व यूपी की नौ विधानसभा सीटों के लिए नवंबर में होने वाले उपचुनाव में हिंदुत्व के साथ राष्ट्रवाद के फार्मूले का परीक्षण करेगी। लोकसभा चुनाव में यूपी में मनमाफिक नतीजे नहीं आने से दुखी बीजेपी को अगर हिंदुत्व के सहारे उप चुनाव में सफलता मिलती है तो 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए इसी आधार पर पार्टी का आलाकमान रणनीति बनाई जायेगा। दरअसल, हरियाणा में लगातार तीसरी बार और 2014 व 2019 के मुकाबले ज्यादा सीटों के साथ सरकार बनाकर भाजपा ने सारे कयासों को झुठला दिया है। वहीं, जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने का करिश्मा भाजपा भले ही नहीं कर पाई हो, लेकिन वहां मिले सबसे ज्यादा वोटों ने पार्टी में नई उम्मीद जगाई है। लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में आए नतीजों को कांग्रेस ने भाजपा की राष्ट्रीय राजनीति से विदाई के तौर पर प्रचारित किया। अब हरियाणा और जम्मू-कश्मीर ने इसे एक तरह से खारिज कर दिया है। साफ है कि अब भाजपा यूपी के उपचुनाव में हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के एजेंडे को धार देगी। इसका असर प्रदेश में दिखने भी लगा है। हालांकि, भाजपा के एजेंडे की काट को लेकर कांग्रेस और सपा ने भी तैयारी शुरू कर दी है। बता दें हरियाणा की तरह जम्मू-कश्मीर में भी ज्यादातर हिंदू भाजपा के पक्ष में गोलबंद दिखे। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, हिंदू लामबंदी जिस तरह जातीय गोलबंदी पर भारी पड़ती दिखी है, वह यह बताने को पर्याप्त है कि बंटोगे तो कटोगे के नारे ने नतीजों पर असर डाला है। जाहिर है कि भाजपा इसे और धार देगी ताकि यूपी में 2014 से लेकर 2022 जैसे समीकरणों को फिर मजबूत किया जा सके।

मप्र की निकिता पोरवाल बनीं मिस इंडिया-2024

मिस वर्ल्ड में करेंगी इंडिया को रिप्रेजेंट; रामलीला-कृष्णलीला में सीता-राधा के किरदार भी निभाए

विश्वास का तीर

मध्यप्रदेश के उज्जैन की रहने वाली निकिता पोरवाल ने बुधवार रात फेमिना मिस इंडिया-2024 का खिताब जीत लिया है। निकिता अब मिस वर्ल्ड पेजेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। मिस इंडिया 2024 का ग्रैंड फिनाले मुंबई के वर्ली में आयोजित किया गया था। निकिता को मिस इंडिया का खिताब मिलने के बाद उनके अरविंद नगर स्थित घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। करीब दो माह पहले ही शहर की निकिता पोरवाल ने 200 प्रतिभागियों के बीच फेमिना मिस इंडिया मध्यप्रदेश-2024 का खिताब जीता था। उन्होंने पहली बार किसी ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लिया था और उसमें वे सिलेक्ट हुई थीं। निकिता को एक्टिंग के अलावा लिखने का भी शौक है। निकिता कई नेशनल और इंटरनेशनल स्टेज ड्रामा की स्क्रिप्ट लिख चुकी हैं। उनके लिखे ड्रामा में 250 पेज की कृष्ण लीला भी है। ये पहली बार है, जब मध्यप्रदेश से किसी ने मिस इंडिया का खिताब जीता है। आगर रोड पर नगर निगम ऑफिस के सामने स्थित अरविंद नगर निवासी ऑयल कारोबारी अशोक पोरवाल और राजकुमारी पोरवाल के घर पहुंची। माता-पिता बेटी के साथ मुंबई में हैं। घर पर मौजूद निकिता के दादा धन्नालाल पोरवाल और दादी नर्मदा पोरवाल ने पोती की एजुकेशन से लेकर एक्टिंग के प्रति रुझान के बारे में बताया।

निकिता की फिल्म 'चंबल पार' का ट्रेलर आ चुका है

निकिता का अपकमिंग प्रोजेक्ट इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिखाया जाएगा, जिसका ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है। फिल्म का टाइटल 'चंबल पार' है। निकिता की बहन वैशाली जैसवाल इंदौर में सीए हैं, एक भाई प्रद्युम्न पोरवाल इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन में इंजीनियर।

सोने-चांदी के जेवरात, 12 लाख से ज्यादा कैश मिले

विश्वास का तीर

मध्यप्रदेश तकनीकी शिक्षा संचालनालय के बाबू के मकान समेत 5 अन्य ठिकानों पर बुधवार तड़के भोपाल लोकायुक्त पुलिस ने छापा मारा। देर रात तक चली छानबीन में उसके पास करोड़ों की संपत्ति होने का खुलासा हुआ है। टीम को कई प्रॉपर्टी के दस्तावेज के साथ ही मकान से 12.17 लाख रुपए नकद, एक किलो सोने के जेवर और एक किलो चांदी के जेवर मिले हैं। साथ ही कई लग्जरी वाहन मिले हैं। नोट इतने थे कि गिनने के लिए मशीन बुलानी पड़ी। आरोपी का नाम रमेश हिंगोरानी है, जो फिलहाल तकनीकी शिक्षा संचालनालय के अधीन मुख्यमंत्री मेधावी योजना के श्यामला हिल्स स्थित दफ्तर में पदस्थ हैं। उनके पास से बड़ी मात्रा में क्रय-विक्रय पत्र और साइन किए हुए ब्लैंक चेक भी बरामद किए गए। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि रमेश हिंगोरानी रियल एस्टेट कारोबार और ब्याज के धंधे से भी जुड़ा है। पत्नी और तीन बेटे योगेश, नीलेश और मोहित के नाम संपत्ति के प्रमाण भी

लोकायुक्त टीम के हाथ लगे हैं। आय से अधिक संपत्ति होने की जानकारी के बाद केस दर्ज किया गया था। इसके बाद हिंगोरानी के ठिकानों पर कार्रवाई की गई। इस दौरान बेटे नीलेश के स्कूल में देसी पिस्टल मिली है। लोकायुक्त टीम को 12 लाख रुपए से ज्यादा की नकदी, एक किलो से ज्यादा गोल्ड, सिल्वर और डायमंड ज्वेलरी मिली है। लोकायुक्त टीम को 12 लाख रुपए से ज्यादा की नकदी, एक किलो से ज्यादा गोल्ड, सिल्वर और डायमंड ज्वेलरी मिली है।

रमेश हिंगोरानी ने 30 साल में बाबू के पद पर रहते हुए आय से 142त्न ज्यादा संपत्ति अर्जित की थी। देर रात तक सर्चिंग के बीच टीम उनकी संपत्ति के दस्तावेजों की स्क्रूटनी करती रही, ताकि इन्वेंट्री की गिनती की जा सके। लोकायुक्त पुलिस की टीम बुधवार तड़के 6 बजे हिंगोरानी के लक्ष्मण नगर, बैरागढ़ स्थित दो मंजिला मकान पर पहुंची थी। हिंगोरानी एक निजी सोसाइटी में सचिव भी हैं, जिसे टीम ने सर्विस कंडक्ट रूल का उल्लंघन माना है। हिंगोरानी 1993 में तकनीकी शिक्षा विभाग में बतौर एलडीसी भर्ती हुए। इसके बाद दो प्रमोशन मिले। पहले यूडीसी हुए। इन दिनों सहायक ग्रेड-1 के पद पर पदस्थ हैं। अभी वेतन 55 हजार रु./माह है। एसपी लोकायुक्त भोपाल दुर्गेश राठौर ने बताया कि 30 साल में हिंगोरानी ने अपनी आय से 142त्न ज्यादा संपत्ति अर्जित की है।

हाईकोर्ट ने पूछा-आरक्षित वर्ग को योग्यता में छूट क्यों नहीं

हाईस्कूल शिक्षक भर्ती 2023 के खिलाफ याचिका पर 30 दिन में मांगा जवाब

विश्वास का तीर

जबलपुर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती 2023 में आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को योग्यता में छूट क्यों नहीं दी गई। हरदा निवासी अभ्यर्थी शिवानी शाह ने आरक्षित उम्मीदवारों को योग्यता में छूट और पोस्ट ग्रेजुएशन में द्वितीय श्रेणी के प्रतिशत को लेकर याचिका लगाई है। शिवानी का पोस्ट ग्रेजुएशन में 48 प्रतिशत है और मार्कशीट पर श्रेणी तृतीय लिखी हुई है। जबकि मप्र में ऐसे 772 अभ्यर्थी हैं जिनके इतने ही प्रतिशत हैं। लेकिन, मार्कशीट पर द्वितीय श्रेणी लिखी होने की वजह से वे इलिजिबल हो गए। याचिका पर बुधवार को सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, जनजाति कार्य विभाग तथा कर्मचारी चयन मंडल को नोटिस जारी कर 30 दिनों में जवाब मांगा है।

अधिवक्ता रामेश्वर ठाकुर और विनायक प्रसाद शाह ने बताया-

स्कूल शिक्षा विभाग एवं ट्राइबल विभाग ने शिक्षक भर्ती से संबंधित नियम में ओबीसी, एससी तथा एसटी वर्ग अभ्यर्थियों को योग्यता में कोई भी छूट प्रदान नहीं की। जबकि संविधान के अनुच्छेद 335 के तहत इन वर्गों को छूट प्रदान किया जाना राज्य के लिए आवश्यक है।

याचिका में ये दो तर्क दिए गए

पहला: 2018 में शिक्षक भर्ती से संबंधित नियम प्रकाशित किए हैं। उसमें एससी-एसटी को एजुकेशन छूट नहीं दी गई। सामान्य और एससी-एसटी वर्ग के लिए एक जैसा क्राइटेरिया रखा गया है। जबकि संविधान के आर्टिकल 335 में स्पष्ट प्रावधान है कि एससी-एसटी को छूट दी जाएगी।

दूसरा: हाई स्कूल शिक्षक के लिए संबंधित विषय में स्नातकोत्तर द्वितीय श्रेणी और बीएड योग्यता निर्धारित की गई है। इन नियमों में द्वितीय श्रेणी का प्रतिशत क्या होगा इसका भी उल्लेख नहीं किया है। जबकि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के नियमों के तहत 50% अंकों से अधिक द्वितीय श्रेणी माने जाएंगे। मध्य प्रदेश के कई विश्वविद्यालय 45% से 59.9% तक द्वितीय श्रेणी मानते हैं। 36त्र से 44.9त्र तक तृतीय मानते हैं। कई विश्वविद्यालय 50% से 59.9% को द्वितीय श्रेणी मानते हैं। 50त्र से कम अंक वालों को तृतीय श्रेणी मानते हैं।

पुलिस-कांग्रेस कार्यकर्ताओं में झड़प

बीना में विधायक निर्मला सप्रे के दफ्तर में पार्टी का झंडा लगाने निकले थे

विश्वास का तीर

बीना से विधायक निर्मला सप्रे के खिलाफ कांग्रेस के नेता सड़क पर उतरे और उनके घर और कार्यालय पर कांग्रेस का झंडा लगाने पर अड़ गए। इसके बाद पुलिस के साथ उनकी झूमाझटकी हुई। पुलिस ने उन्हें वाटर कैनन से खदेड़ दिया।द कांग्रेस का आरोप है कि जब विधायक भाजपा में शामिल हो चुकी हैं, तो इस्तीफा क्यों नहीं दे रहीं। दरअसल, इस मामले ने विधायक के एक जवाब के बाद तूल पकड़ा है। 10 अक्टूबर को विधानसभा को भेजे गए जवाब में विधायक ने ये कहा है कि वो भाजपा में नहीं, बल्कि कांग्रेस में हैं।

कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग हटाई, पुलिस से झड़प

गुरुवार दोपहर बड़ी तादाद में कांग्रेस कार्यकर्ता सर्वोदय चौराहे पर जमा हुए। इसके बाद हाथ में पार्टी का झंडा लिए विधायक के घर और कार्यालय की ओर बढ़े। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम पहुंच गई। अंबेडकर तिराहे पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी, ताकि कोई विधायक के आवास और कार्यालय की ओर न जा सके। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग हटा दी और आगे बढ़ने लगे। इसके बाद पुलिस के

साथ उनकी झूमाझटकी हुई। यहां पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल करके कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पीछे धकेलने की कोशिश की। हालात को देखते हुए आगासौद, खिमलासा, भानगढ़, खुरई शहरी, खुरई देहात सहित सागर जिले से पुलिस बल भी मंगाया गया।

जब कांग्रेस छोड़ी नहीं तो झंडे से क्या ऐतराज

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि विधायक निर्मला सप्रे ने 10 अक्टूबर को विधानसभा को जवाब दिया है कि उन्होंने भाजपा की सदस्यता नहीं ली है और न ही कांग्रेस छोड़ी है। जब उन्होंने कांग्रेस छोड़ी ही नहीं तो उन्हें कांग्रेस के झंडे से क्या आपत्ति हो सकती है। इसके बाद हम झंडा लगाने के लिए जा रहे हैं, लेकिन पुलिस हमें रोक रही है। पुलिस क्यों रोक रही है, ये भी समझ नहीं आ रहा। जब विधायक हमारी ही पार्टी में हैं तो ये हमारी पार्टी का आंतरिक मामला है। इसमें पुलिस का क्या काम? हम कोई हिंसा या उपद्रव भी नहीं कर रहे हैं। हम शांतिपूर्ण ढंग से विधायक से आग्रह करने जा रहे हैं कि आप पार्टी का झंडा लगा लीजिए। बीना ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि जिन कांग्रेसियों ने निर्मला सप्रे को सदन तक पहुंचाया, कड़ी मेहनत कर विधायक बनाया था। आज उन्हीं कांग्रेसियों पर विधायक ने वाटर कैनन चलवाई और पुलिस से लाठी चार्ज करवाया। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारा उद्देश्य केवल यह जानना था कि बीना विधायक यह स्पष्ट करें कि वह कांग्रेस की सदस्य हैं या भारतीय जनता पार्टी की सदस्य हैं।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से प्रदेश के मुख्य सूचना आयुक्त श्री विजय यादव ने आज राजभवन में सौजन्य भेंट की।

बुधनी सीट पर कांग्रेस में भी 4 दावेदार

विजयपुर में मुकेश मल्होत्रा का सिंगल नाम; दिल्ली भेजे नामों के पैनल

विश्वास का तीर

मध्यप्रदेश में दो विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों के नामों का पैनल तैयार कर लिया है। ये नाम दिल्ली भेज दिए गए हैं। शिवराज सिंह चौहान की परंपरागत सीट बुधनी पर कांग्रेस में भी 4 दावेदारों के नाम सामने आए हैं। वहीं विजयपुर सीट पर बीजेपी की तरह कांग्रेस से भी सिंगल नाम है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने विजयपुर में 2 दिनों तक कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक ली और संभावित मजबूत दावेदारों के नामों पर चर्चा की। बुधनी में पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा और पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल ने भी दो दिनों तक स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ रायशुमारी की ।

बुधनी सीट पर कांग्रेस से इन चार नामों का पैनल

राजकुमार पटेल
विक्रम मस्ताल
अजय पटेल

महेश राजपूत

जानिए कांग्रेस के दावेदारों के बारे में

राजकुमार पटेल– 1993 से 1998 तक विधायक रहे उसी दौरान शिक्षा राज्यमंत्री रहे। 1998 में बड़े भाई देवकुमार पटेल को टिकट मिला था।

विक्रम मस्ताल– टीवी सीरियल में भगवान हनुमान का रोल निभा चुके हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में बुधनी से प्रत्याशी रह चुके हैं।

अजय पटेल– युवा कांग्रेस के बुधनी विधानसभा के 10 साल से अध्यक्ष हैं। पिता डॉक्टर हैं। किसान परिवार से आते हैं।

महेश राजपूत– बुधनी के दो बार जनपद अध्यक्ष रहे। 2008 में कांग्रेस से चुनाव लड़ चुके हैं।

विजयपुर सीट पर ये सिंगल नाम

श्योपुर जिले की विजयपुर सीट पर बीजेपी की तरह कांग्रेस के संभावित दावेदारों में सिंगल नाम है। कांग्रेस के पैनल में 2023 के विधानसभा चुनाव में निर्दलीय लड़े मुकेश मल्होत्रा का सिंगल नाम है। मल्होत्रा 2023 के विधानसभा चुनाव में 44 हजार से ज्यादा वोट लेकर तीसरे नंबर पर रहे थे।

बुधनी और विजयपुर सीट पर 13 नवंबर को वोटिंग, 23 नवंबर को नतीजे

सूत्रों की मानें तो कांग्रेस उम्मीदवारों के नाम का ऐलान करने से पहले बीजेपी की घोषणा का इंतजार कर सकती है। बुधनी में यदि बीजेपी से शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान को टिकट मिला तो कांग्रेस राजकुमार पटेल की जगह विक्रम मस्ताल को टिकट दे सकती है। राजकुमार पटेल और कार्तिकेय सिंह चौहान दोनों किरार समाज से आते हैं। ऐसे में कांग्रेस एक ही समाज के दो उम्मीदवार उतारने से परहेज करेगी।

पहली बार बुधनी सीट से विधायक बने थे शिवराज

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान मध्यप्रदेश के सबसे लंबे समय तक सीएम रहे हैं, चौहान ने पहली बार 1990 में बुधनी विधानसभा सीट से ही जीत हासिल की थी। इसके बाद साल 2006 में उपचुनाव जीतने के बाद उन्होंने 2008, 2013 और 2018 में यह सीट अपने पास बरकरार रखी और 2023 में बुधनी विधानसभा में पड़े वोटों का 70 प्रतिशत पाकर जीत का बड़ा आंकड़ा तय किया था। जिसमें उन्होंने टीवी कलाकार विक्रम मस्ताल को 1,04,974 मतों के अंतर से हराकर बुधनी सीट से छठी बार जीत हासिल की थी।

नायब सैनी दूसरी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री बने

13 मंत्री बनाए, सबसे ज्यादा 5 ओबीसी चेहरे, 2 महिलाएं; कल पहली कैबिनेट मीटिंग

विश्वास का तीर

हरियाणा में नायब सैनी ने दूसरी बार सीएम पद की शपथ ले ली है। सैनी राज्य के 19वें मुख्यमंत्री बने। हालांकि मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने वाले वे 11वें नेता हैं। शपथ ग्रहण समारोह पंचकूला के दशहरा ग्राउंड में हुआ। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पीएम नरेंद्र मोदी शामिल हुए। शपथ ग्रहण में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी और राजनाथ सिंह के साथ 18 राज्यों के सीएम व डिप्टी सीएम भी पहुंचे थे। सीएम सैनी के साथ 13 मंत्रियों ने शपथ ली। जिनमें सबसे ज्यादा 5 चेहरे ओबीसी वर्ग से हैं। जाट, ब्राह्मण और स्ट वर्ग से 2-2 मंत्री बनाए गए हैं। इसके अलावा पंजाबी, राजपूत और वैश्य बिरादरी से एक-एक मंत्री बनाया गया है। दनए बनाए मंत्रियों में अनिल विज, कृष्णलाल पंवार, राव नरबीर, महिपाल ढांडा, विपुल गोयल और कृष्ण बेदी पहले मंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा रणबीर गंगवा पिछली BJP सरकार में डिप्टी स्पीकर थे। नए चेहरों में अरविंद शर्मा, श्याम सिंह राणा, आरती राव, श्रुति चौधरी और गौरव गौतम पहली बार मंत्री बने हैं। भाजपा ने हरियाणा में UP, राजस्थान और मध्यप्रदेश की तरह डिप्टी CM बनाने का फॉर्मूला नहीं अपनाया। नई सरकार बनते ही CM नायब सैनी ने कल (18 अक्टूबर) की सुबह कैबिनेट की पहली मीटिंग बुला ली है। जिसमें विभागों का बंटवारा किया जा सकता है।

मंच पर ये 13 विधायक पहुंचे

मंत्रिमंडल की शपथ लेने वाले विधायकों जो अभी तक मंच पर पहुंचे हैं, उनमें कृष्ण पंवार, रणबीर गंगवा, कृष्ण बेदी, श्याम सिंह राणा, आरती राव, श्रुति चौधरी, अनिल विज, महिपाल ढांडा, राजेश नागर, विपुल गोयल और राव नरबीर हैं। अगली लाइन में अनिल विज, कृष्ण लाल पंवार, महिपाल ढांडा, विपुल गोयल, राव नरबीर और अरविंद शर्मा बैठे हैं। ये सभी कैबिनेट मंत्री बन सकते हैं। दूसरी लाइन में श्याम सिंह राणा, रणबीर गंगवा, कृष्ण बेदी, श्रुति चौधरी, आरती राव, गौरव गौतम और राजेश नागर शामिल हैं। ये 6 विधायक राज्यमंत्री बन सकते हैं।

खड़गे के कथित फेसबुक पेज पर विवाद

भाजपा का आरोप- पेज नॉर्वे से मैनेज हो रहा; कहा- देश ने इतना कुछ दिया, फिर विश्वासघात क्यों

विश्वास का तीर

कर्नाटक भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का सोशल मीडिया मैनेजमेंट विदेशी करते हैं। पार्टी ने 15 अक्टूबर को खड़गे के नाम से एक फेसबुक पेज के पेज इंफॉर्मेशन का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए पूछा था- अपने लोगों के बजाय विदेशी संचालकों पर भरोसा क्यों? भारत ने आपको इतना कुछ दिया है, तो यह विश्वासघात क्यों? दरअसल, इसमें लिखा है कि पेज को नॉर्वे से मैनेज किया जाता है। वहीं, मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे और कर्नाटक सरकार में आईटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने भी उसी दिन ङ्ग पर लिखा- वह पेज फर्जी है। फेसबुक से इसे हटाने के लिए भी कहा गया है। खड़गे के सिर्फ दो ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट हैं। प्रियांक ने उन दोनों अकाउंट के लिंक भी साझा किए जिनमें से एक खड़गे के ङ्ग अकाउंट और दूसरा उनके व्हाट्सएप चैनल का है। कर्नाटक भाजपा और प्रियंक खड़गे का वार-पलटवार कर्नाटक भाजपा ने

ङ्ग पर पोस्ट किया- वक्फ की जमीन हड़पने के लिए चर्चा में रहे मल्लिकार्जुन खड़गे का सोशल मीडिया मैनेजमेंट विदेश से किया जा रहा है। हम कांग्रेस की जाति के आधार पर बांटने वाली राजनीति के पीछे विदेशी प्रभाव के बारे में चेतावनी देते रहे हैं और यह इसकी पुष्टि करता है। अपने लोगों के बजाय विदेशियों पर भरोसा क्यों? भारत ने आपको इतना कुछ दिया, फिर यह विश्वासघात क्यों? भाजपा के पोस्ट पर पलटवार करते हुए प्रियांक ने लिखा- भारत के इतिहास में सबसे प्रभावी गृह मंत्री होने के बावजूद, बीजेपी यह तय नहीं कर सकती कि विपक्ष के नेता का अकाउंट असली है या नहीं। मैं बीजेपी के आईटी सेल के प्रयास की सराहना करता हूं। उन्होंने सिर्फ 2 रुपए के लिए कांग्रेस अध्यक्ष श्री खड़गे के खिलाफ सोशल मीडिया कैंपेन शुरू किया है। प्रियांक खड़गे ने आगे कहा- राष्ट्रीय मुद्दों पर ध्यान लगाने के बजाय भाजपा एक बंद पड़े फेसबुक पेज की जांच में लगी है, जो 2020 से एक्टिव नहीं है। अकाउंट किसी अपरिचित ईमेल से जुड़ा हुआ है। एक फेसबुक ब्लू टिक आसानी से पेड सब्सक्रिप्शन के जरिए लिया जा सकता है। हमें नहीं पता कि इसके पीछे कौन है, इसलिए हमने फेसबुक से इसे हटाने का अनुरोध किया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सपांदक आयुष राजपूत द्वारा कविता आफॅसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- आपयुष राजपूत, मो.7247257823, 7999252366 (प्रति शुक्रवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2022/83636